IS 19381:2025 / ISO 11956: 2025
Adventure Tourism — Cyclotourism — Requirements and Recommendations

This Indian Standard establishes comprehensive requirements and recommendations for adventure tourism activities involving cyclotourism, with the objective of ensuring participant safety, service quality, and responsible operations. It applies to cyclotourism offered as a tourism product, covering a wide range of activities such as road cycling, mountain biking, gravel biking, bikepacking, and the use of electrically power-assisted cycles, while excluding competitive cycling, bicycle rentals, and maintenance activities. The standard recognizes the inherent risks in adventure tourism and emphasizes systematic risk management to enhance both safety and participant experience.

It defines clear service requirements for cyclotourism activity providers, focusing on leadership competence, assistant qualifications, participant profiling, and adequate leader-to-participant ratios under different operational conditions. It highlights the importance of collecting and analyzing participant information related to health, fitness, experience, and insurance coverage to determine suitability for activities. Detailed provisions are included for participant briefing, instruction, and preparation to ensure awareness of risks, responsibilities, and required equipment.

A structured framework for safety and risk management is provided, encompassing hazard identification, risk assessment, preventive measures, emergency preparedness, communication systems, and insurance arrangements. This also specifies requirements for equipment availability, maintenance, hygiene, and support vehicles, ensuring consistent safety practices across guided and self-guided cyclotourism operations.

Additionally, the standard introduces a systematic cyclotourism route classification based on environmental severity, navigation complexity, terrain conditions, and physical exertion. It promotes social responsibility and environmental conservation by encouraging minimal-impact practices and respect for local communities, thereby supporting safe, sustainable, and high-quality cyclotourism experiences.

IS 19381:2025 / ISO 11956: 2025

साहसिक पर्यटन — साइक्लोटूरिज्म — अपेक्षाएँ और अनुशंसाएँ

यह भारतीय मानक साइक्लोटूरिज़्म से संबंधित साहसिक पर्यटन गतिविधियों के लिए व्यापक आवश्यकताएँ और अनुशंसाएँ निर्धारित करता है, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, सेवा की गुणवत्ता बनाए रखना तथा जिम्मेदार संचालन को प्रोत्साहित करना है। यह मानक पर्यटन उत्पाद के रूप में प्रस्तुत साइक्लोटूरिज़्म पर लागू होता है, जिसमें रोड साइक्लिंग, माउंटेन बाइकिंग, ग्रैवल बाइकिंग, बाइकपैकिंग तथा विद्युत-सहायता प्राप्त साइकिलों का उपयोग शामिल है, जबकि प्रतिस्पर्धात्मक साइक्लिंग, साइकिल किराया सेवाएँ और रखरखाव गतिविधियाँ इसके दायरे से बाहर रखी गई हैं। यह मानक साहसिक पर्यटन में निहित जोखिमों को स्वीकार करता है तथा सुरक्षा और प्रतिभागी अनुभव दोनों को बेहतर बनाने के लिए व्यवस्थित जोखिम प्रबंधन पर बल देता है।

यह साइक्लोटूरिज़्म गतिविधि प्रदाताओं के लिए स्पष्ट सेवा आवश्यकताओं को परिभाषित करता है, जिसमें नेतृत्व की दक्षता, सहायकों की योग्यता, प्रतिभागियों की प्रोफाइलिंग तथा विभिन्न संचालन परिस्थितियों में उपयुक्त नेता-से-प्रतिभागी अनुपात पर विशेष ध्यान दिया गया है। गतिविधियों के लिए उपयुक्तता निर्धारित करने हेतु प्रतिभागियों के स्वास्थ्य, फिटनेस, अनुभव और बीमा कवरेज से संबंधित जानकारी के संग्रह और विश्लेषण के महत्व को रेखांकित किया गया है। जोखिमों, जिम्मेदारियों और आवश्यक उपकरणों के प्रति जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों के लिए विस्तृत ब्रीफिंग, प्रशिक्षण और तैयारी से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं।

इस मानक में सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन के लिए एक सुव्यवस्थित ढाँचा प्रदान किया गया है, जिसमें जोखिमों की पहचान, जोखिम आकलन, निवारक उपाय, आपातकालीन तैयारी, संचार प्रणालियाँ तथा बीमा व्यवस्थाएँ शामिल हैं। साथ ही, उपकरणों की उपलब्धता, रखरखाव, स्वच्छता तथा सहायक वाहनों से संबंधित आवश्यकताओं को भी निर्दिष्ट किया गया है, जिससे निर्देशित एवं स्व-निर्देशित दोनों प्रकार की साइक्लोटूरिज़्म गतिविधियों में एकरूप सुरक्षा प्रथाएँ सुनिश्चित हो सकें।

इसके अतिरिक्त, यह मानक पर्यावरणीय गंभीरता, मार्ग-निर्देशन की जटिलता, भू-भाग की परिस्थितियों और शारीरिक परिश्रम के आधार पर साइक्लोटूरिज़्म मार्गों के लिए एक व्यवस्थित वर्गीकरण प्रणाली प्रस्तुत करता है। यह न्यूनतम प्रभाव वाली प्रथाओं को अपनाने और स्थानीय समुदायों के प्रति सम्मान को प्रोत्साहित करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है, जिससे सुरक्षित, सतत एवं उच्च-गुणवत्ता वाले साइक्लोटूरिज़्म अनुभवों का समर्थन होता है।